

हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली-110007

पीएच.डी. अधिनियम-VI के संबंध में विश्वविद्यालय की अधिसूचना (09.08.2017) के अनुसार विभागीय शोध समिति (01.02.2018) की बैठक में पारित

पीएच.डी. हिंदी कोर्स-वर्क पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र 1 : शोध : प्रविधि और प्रक्रिया	100 अंक, 4 क्रेडिट
प्रश्नपत्र 2 : वैकल्पिक विषय	100 अंक, 4 क्रेडिट
प्रश्नपत्र 3 : वैकल्पिक विषय संबंधी सेमिनार	100 अंक, 4 क्रेडिट

प्रश्नपत्र : I – शोध : प्रविधि और प्रक्रिया 100 अंक, 4 क्रेडिट 3 घंटे

- शोध : अभिप्राय, स्वरूप एवं प्रयोजन
- शोध : अनुसंधान, गवेषणा और सर्वेक्षण
- शोध में प्राक्कल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना और परिकल्पना
- शोध में तथ्य और सत्य
- साहित्यिक शोध और वैज्ञानिक शोध
- प्रमुख शोध पद्धतियाँ : तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, अंतरानुशासनिक, भाषावैज्ञानिक, पाठालोचनात्मक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक
- शोध और आलोचना
- शोध की प्रविधि और प्रक्रिया
- शोध के साधन एवं उपकरण
- शोध में सामग्री-संकलन की प्रविधि और उपादेयता
- शोध के प्रकार
- शोध प्रबंध की रूपरेखा निर्माण-पद्धति
- संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण की प्रक्रिया

सहायक पुस्तकें :

- | | |
|---|---|
| 1. अनुसंधान का स्वरूप | — सं. सावित्री सिन्हा |
| 2. अनुसंधान की प्रक्रिया | — सं. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक |
| 3. अनुसंधान प्रविधि, प्रक्रिया विषयक लेख | — डॉ. नगेन्द्र |
| 4. अनुसंधान का विवेचन | — डॉ. उदयभानु सिंह |
| 5. अनुसंधान के मूल तत्व | — डॉ. उदयभानु सिंह |
| 6. शोध-प्रक्रिया | — डॉ. विनय मोहन शर्मा |
| 7. भारतीय पाठालोचन की भूमिका | — (हिंदी अनुवाद) डॉ. एस.एम. कत्रे |
| 8. पाठालोचन : सिद्धांत और प्रक्रिया | — मिथिलेश कत्रे |
| 9. पाण्डुलिपि विज्ञान | — रामगोपल शर्मा 'दिनेश' |
| 10. संरचनात्मक शैलीविज्ञान | — रवींद्रनाथ श्रीवास्तव |
| 11. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका | — मैनेजर पांडेय |
| 12. इन्ट्रोडक्शन टू रिसर्च | — टी. हेलवे |
| 13. दि स्ट्रैटजी ऑफ रिसर्च | — इसर जार्ज, पागेट थम्पसन |
| 14. फ़ैक्ट्स : हाउ टू फाइन्ड देम (ए गाइड टू रिसर्च) | — डब्ल्यू ए. बाग्गले |

प्रश्नपत्र – II निम्नलिखित वैकल्पिक वर्गों में से कोई एक वर्ग

- वर्ग (क) मध्यकालीन चिंतन और साहित्य
- वर्ग (ख) आधुनिक चिंतन और साहित्य
- वर्ग (ग) भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा
- वर्ग (घ) संचार माध्यम और अनुवाद
- वर्ग (ङ)रंगमंच

प्रश्नपत्र : II – वर्ग (क) मध्यकालीन चिंतन और साहित्य

अंक : 100, 4 क्रेडिट 3 घंटे

मध्यकाल

- मध्यकाल : समय, समाज और संस्कृति
- मध्यकालीन बोध का स्वरूप
- मध्ययुगीनता की अवधारणा
- मध्यकालीन काव्यभाषा
- भक्तिकाव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- भक्ति-आंदोलन का अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य
- भक्तिकाव्य और लोक जागरण
- भक्ति-आंदोलन और हिंदी-प्रदेश
- रीतिकाल : ऐतिहासिक-सामाजिक पृष्ठभूमि
- दरबारी संस्कृति और रीतिकालीन काव्य
- शृंगार का समाजशास्त्र और रीतिकालीन शृंगार-काव्य
- रीतिकाल और मूल्य-बोध
- रीतिकालीन कवियों की सौंदर्य-दृष्टि
- रीतिकालीन काव्यशास्त्र : परम्परा और विमर्श

सहायक ग्रंथ

- | | | |
|---|---|-----------------------|
| 1. हिंदी साहित्य का इतिहास | – | रामचंद्र शुक्ल |
| 2. हिंदी साहित्य की भूमिका | – | हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| 3. परम्परा का मूल्यांकन | – | रामविलास शर्मा |
| 4. भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास | – | रामविलास शर्मा |
| 5. दूसरी परंपरा की खोज | – | नामवर सिंह |
| 6. हिंदी साहित्य का अतीत –भाग :1-2 | – | विश्वनाथ प्रसाद मिश्र |
| 7. राधवल्लभ सम्प्रदाय : सिद्धांत और साहित्य | – | विजयेन्द्र स्नातक |
| 8. मध्यकालीन कृष्ण काव्य की सौंदर्य-चेतना | – | डॉ. पूरनचंद टण्डन |
| 9. कृष्ण काव्य में लीला वर्णन | – | जगदीश भारद्वाज |
| 10. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य | – | मैनेजर पाण्डेय |
| 11. भक्तिकाव्य की भूमिका | – | प्रेमशंकर |
| 12. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार | – | सं. गोपेश्वर सिंह |
| 13. रीतिकाव्य की भूमिका | – | नगेन्द्र |
| 14. सबाल्टर्न स्टडीज़ | – | सं. रंजीत गुहा |
| 15. मध्यकालीन भारत : एक आयाम | – | हरबंस मुखिया |
| 16. भारतीय चिंतन परंपरा | – | के. दामोदरन |

- | | | |
|--|---|----------------------|
| 17. मध्यकालीन बोध का स्वरूप | — | हजारीप्रसाद द्विवेदी |
| 18. लोकजागरण और हिंदी-साहित्य | — | रामविलास शर्मा |
| 19. रीतिकालीन रीतिकवियों का काव्य शिल्प | — | महेन्द्र कुमार |
| 20. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल | — | महेन्द्र कुमार |

प्रश्नपत्र : II – वर्ग (ख) आधुनिक चिंतन और साहित्य

अंक : 100 , 4 क्रेडिट

3 घंटे

- भारतीय नवजागरण का व्यापक परिप्रेक्ष्य और हिंदी नवजागरण
- आधुनिकता,, आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद, समकालीनता
- गाँधीवाद : सत्य, अहिंसा और स्वराज, गाँधीवाद और हिंदी साहित्य
- अस्तित्ववाद और मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवादी साहित्य चिंतन : आधार और अधिरचना, साहित्य का वर्ग आधार, साहित्य की सापेक्ष स्वायत्तता, अंतर्वस्तु और रूप का संबंध, साहित्य और यथार्थ
- अस्मितामूलक विमर्श : स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श
- अन्य अवधारणाएँ : मानववाद, राष्ट्रवाद, प्राच्यवाद ।

सहायक ग्रंथ

- | | | |
|---|---|-------------------------------------|
| 1. नव मानववाद | — | एम.एन. राय
अनु. नंद किशोर आचार्य |
| 2. नेशन एंड नेरेशन | — | (सं.) होमी जे. भाभा |
| 3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण | — | रामविलास शर्मा |
| 4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग | — | उदयभानु सिंह |
| 5. हिंदी नवजागरण और संस्कृति | — | शंभुनाथ |
| 6. इंडियन रेनेसां | — | सुशोभन सरकार |
| 7. भारतेंदुयुग और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ | — | रामविलास शर्मा |
| 8. आज का दलित साहित्य | — | तेज सिंह |
| 9. अंबेडकर वाङ्मय | — | भीमराव अम्बेडकर |
| 10. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र | — | शरण कुमार लिंबाले (अनु.) |
| 11. स्त्री पराधीनता | — | जान स्टुअर्ट मिल्स (अनु.) |
| 12. परिधि पर स्त्री | — | मृणाल पांडेय |
| 13. स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य | — | क्षमा शर्मा |
| 14. उपनिवेश में स्त्री | — | प्रभा खेतान |
| 15. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श | — | जगदीश्वर चतुर्वेदी |

प्रश्नपत्र : II – वर्ग (ग) भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

अंक : 100, 4 क्रेडिट

3 घंटे

- भारत के भाषा-परिवार
- सस्यूर के भाषिक प्रतीक
- ब्लूमफील्ड और संरचनात्मक भाषाविज्ञान
- चॉम्स्की का भाषा-चिंतन

- भाषा और सामाजिक अस्मिता
- बहुभाषिकता और उसके विभिन्न आयाम
- कोड-मिश्रण और कोड-अंतरण
- पिजिन और क्रियोल
- भाषा-शिक्षण और भाषा
- हिंदी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ
- हिंदी और मानकीकरण के संदर्भ
- हिंदी और आधुनिकीकरण
- हिंदी का समाजभाषिक संदर्भ

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र	—	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. आधुनिक भाषाविज्ञान	—	भोलानाथ तिवारी
3. भाषा (हिंदी अनुवाद)	—	ब्लूमफील्ड
4. भाषा और समाज	—	रामविलास शर्मा
5. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप	—	राजमणि शर्मा
6. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम	—	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. आधुनिक भाषाविज्ञान	—	कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज सहाय
8. भाषाई अस्मिता और हिंदी	—	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
9. ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	—	रामविलास शर्मा
10. आधुनिक भाषाविज्ञान	—	राजमणि शर्मा
11. भाषाविज्ञान की भूमिका	—	देवेन्द्रनाथ शर्मा
12. आजीविका साधक हिंदी	—	डॉ. पूरनचंद टण्डन
13. हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी	—	डॉ. पूरनचंद टण्डन

प्रश्नपत्र-II – वर्ग (घ) : संचार माध्यम और अनुवाद

अंक : 100, 4 क्रेडिट 3 घंटे

- विकासमूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी
- संरचनामूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी
- विखंडनमूलक अध्ययन की सैद्धांतिकी
- चिह्नशास्त्रीय माध्यम अध्ययन की सैद्धांतिकी
- मार्क्सवादी दृष्टि से माध्यम की ऐतिहासिक द्वंद्वत्मक अध्ययन की सैद्धांतिकी
- स्त्रीवादी अध्ययन की सैद्धांतिकी
- सांस्कृतिक अध्ययन की सैद्धांतिकी
- स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता
- लोकतंत्र और मीडिया
- सोशल मीडिया और हिंदी
- जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की भूमिका

सहायक ग्रंथ

1. मीडिया एण्ड मॉडर्निटी (1988)	—	जॉन बी. थॉम्पसन (पॉलिटी प्रैस)
2. टेलीविज़न	—	रेमण्ड विलियम्स
3. ब्रॉडकॉस्टिंग इंडिया	—	पी.सी. चटर्जी
4. जनमाध्यम : प्रौद्योगिकी और विचारधारा	—	जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. जनमाध्यम सैद्धांतिकी	—	सुधा सिंह
6. भूमंडलीकरण और मीडिया	—	कुमुद शर्मा
7. नया सिनेमा	—	विनोद भारद्वाज
8. दूरदर्शन : विकास से बाजार तक	—	सुधीश पचौरी
9. हिंदी पत्रकारिता और साहित्य	—	क्षमा शर्मा
10. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य	—	जबरीमल्ल पारख
11. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र	—	रेमण्ड विलियम्स (अनु.)
12. सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा	—	सुभाष धूलिया
13. संस्कृति-विकास और संचार-क्रांति	—	पूरनचंद्र जोशी
14. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ	—	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी (सं.)
15. अनुवाद : सिद्धांत और अनुप्रयोग	—	नगेन्द्र (सं.)
16. अनुवाद विज्ञान की रूपरेखा	—	सुरेश कुमार
17. अनुवाद के विविध आयाम	—	डॉ. पूरनचंद्र टंडन, डॉ. हरीश सेठी
18. अनुवाद शतक (भाग 1,2)	—	डॉ. पूरनचंद्र टंडन

प्रश्नपत्र : II – वर्ग (ड.) रंगमंच

अंक : 100, 4 क्रेडिट

3 घंटे

- भारतीय नाट्यशास्त्र की मुख्य अवधारणाएँ
- भारतीय रंगमंच और पश्चिमी रंगमंच की अवधारणाएँ
- रंगमंच के प्रकार : भेद-प्रभेद
- ग्रीक रंगमंच, स्वच्छंदतावादी, यथार्थवादी रंगमंच, विसंगतिवादी रंगमंच, अभिव्यंजनावादी रंगमंच, प्रतीकवादी रंगमंच
- प्रस्तुति प्रक्रिया का अध्ययन
- नाट्यालेख और रंग-आलेख में अंतर
- नाट्यानुभूति और रंगानुभूति
- रंगमंचीय संचार की संरचना
—अमूर्त और मूर्त का अंतस्संबंध एवं नियोजन
—दृश्य की पटकथा
- रंग-प्रक्रिया के विभिन्न घटक
—रचनाकार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्मी, प्रेक्षक, ब्रेख्त की अवधारणा
- महानाट्य की अवधारणा
- पृथक्करण का सिद्धांत
- स्तानिस्लाव्स्की की अभिनय पद्धति

- हिंदी रंगमंच का विकास – भारतेन्दु, पारसी, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, जयशंकर प्रसाद का रंगमंच, मोहन राकेश का रंगमंच
- हिंदी का लोक रंगमंच – रामलीला, रासलीला, स्वाँग, नौटंकी, ख्याल, माच और नुक्कड़ नाटक
- किसी सद्यःपठित/प्रदर्शित नाटक का रंग-विश्लेषण

सहायक ग्रंथ

1. रंग-दर्शन : नेमिचंद्र जैन
2. रंगमंच : बलवंत गार्गी
3. भारतीय और पाश्चात्य नाट्यशास्त्र : सीताराम चतुर्वेदी
4. भरत और भारतीय नाट्यशास्त्र : सुरेन्द्रनाथ दीक्षित
5. नाट्य शास्त्र : भरत (हिंदी अनुवाद)
6. नाट्यशास्त्र विश्वकोश

प्रश्नपत्र-III

100 अंक, 4 क्रेडिट

दो सेमिनार – 50+50=100

प्रत्येक शोधार्थी को नियत समयावधि के अंतर्गत अपने वैकल्पिक प्रश्नपत्र से संबंधित दो सेमिनार देना आवश्यक है।